मंदिर के नाम पर डकैती मार रहा एचएसआईसी का जीएम

करनाल। एक मंदिर के पदाधिकारियों ने मंदिर में बनने वाले कम्युनिटी हाल का नाम भगवान के नाम पर रखने की वजाए अपने खुद के नाम पर रख लिया। यह लोगों के लिए आश्चर्य का सबब बना हुआ हैं। यह मंदिर निजी कंपनी की तरह चलाया जा रहा हैं। बड़ी बात तो यह रही कि इस मंदिर में कम्यूनिटी हाल के लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अपने कोष से लाखों रूपयों की सहायता दी। इसके अलावा इस मंदिर को सासंद और विधायक भी अपने कोष से सहायता देते रहे हैं। करनाल में रघुनाथ मंदिर जैसे-तैसे शहर के लोगों के दान से चलता हैं। लेकिन इस मंदिर का संचालन मंदिर के पदाधिकारियों द्वारा अपनी कंपनी के तौर पर चलाया जा रहा है। पिछले दिनों लोगों को जब अचरज हुआ जब इस मंदिर के प्रधान विनोद खेत्रपाल और महासचिव मिनीत भाटिया ने यहां पर सरकारी सहायता और दान के पैसे से बनने वाले कम्यूनिटी हाल का नाम खुद अपने नाम पर रख लिया। इस का नाम विनोद विनीत कम्युनिटी हाल रख लिया। इस हाल के उद्घाटन सासंद संजय भाटिया और मुख्यमंत्री के विधायक प्रतिनिधि संजय बठला ने किया। बताया जाता है कि इस मंदिर के महासचिव विनीत भाटिया खुद एचएसआई डीसी में एजीएम हैं। वह अपने प्रभाव का उपयोग कर अपने निजी मंदिर को आर्थिक मदद भी दिलवाते हैं। किसी का काम करवाने के एवज में वह खुद इस मंदिर के खाते में मोटा दान करवाते हैं। यहां के लोग इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री से भी शिकायत कर चुके हैं।

बिल वापसी नही तो घर वापिसी भी नही: भाकियू

करनाल। भारतीय किसान यूनियन के तत्वाधान में गांव नरूखेड़ी की घनिया वाली चौपाल में किसान आंदोलन के मुद्दों को लेकर किसान पंचायत आयोजित की गई। पंचायत की अध्यक्षता गांव की इकाई के प्रधान रामफल नरवाल ने की। इस पंचायत में भाकियू के जिला सरंक्षक महताब कादियान व प्रवक्ता सुरेंद्र सागवान ने सयुंक्त रूप शिरकत करते हुए ग्रामीणों को संबोधित किया। इस बीच उपस्थित ग्रामीणों ने सरकार विरोधी प्रदर्शन करते हुए जोरदार नारेबाजी की।आनेवाली 27 सितम्बर को सयुंक्त किसान मोर्चा के आह्वान किए जाने वाले भारत बंद्व को सफल बनाने के लिए ग्रामीणों ने जोरदार ढंग से हुंकार भरते हुए अपना समर्थन दिया। इसके अलावा 26 सितम्बर को पानीपत की अनाज मंडी में आयोजित की जा रही किसान महापंचायत में शामिल होंने के लिए कार्यक्रम तय किया गया। किसान नेता महताब कादियान व सुरेंद्र सागवान ने कहा कि 26 सितम्बर को भारतीय किसान यूनियन के तत्वाधान में पानीपत की नई अनाज मंडी में विशाल किसान महापंचायत का आयोजन किया जा रहा है। महापंचायत को भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत व राष्ट्रीय महासचिव युद्वबीर सिंह सहरावत, प्रदेशाध्यक्ष रतनमान सहित सयुंक्त किसान मोर्चा के कई वरिष्ठ किसान नेता संबोधित करने पहुंच रहे है। किसान नेताओं ने पानीपत किसान महापंचायत में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचने का ग्रामीणों को न्योता दिया। किसान नेता सागवान ने कहा कि कृषि से संबंधित तीनों विवादित कानूनों को लेकर देशभर के किसान लगातार गत 10 माह से दिल्ली के दरवाजों पर आंदोलनरत है। लेकिन मोदी सरकार हठधर्मिता का सहारा लेकर किसानों की मांगे नही मान रही है। जिसकों लेकर देश का अन्नदाता आंदोलन करने के लिए मजबूर है। जिला सरंक्षक कादियान ने कहा कि बंगाल चुनाव की तर्ज पर अब यू.पी व उतराखंड मिशन जोरशोर से चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिल वापिसी नही तो घर वापिसी का सवाल ही पैदा नही होता। इसके साथ सरकार को एम.एस.पी पर खरीद गांरटी का कानून भी बनाना होगा। सरकार चाहे किसानों को कितना भी प्रताड़ित कर ले नुकशान तो मोदी सरकार को ही उठाना पड़ेगा। अगर सरकार इन कानूनों को लागू करने में सफल हो गई तो देश की रोटी साहुकारों की तिजोरी में बंद हो जाएगी। इस अवसर पर ग्राम प्रधान रामफल नरवाल, वरिष्ठ किसान नेता भीम सिंह नरवाल, दिलावर सिंह, धर्मबीर सिंह, सोनू नरवाल, राजेंद्र सिंह, दिलबाग सिंह, कर्ण नरवाल, कर्म सिंह, सुलतान सिंह, लख्मीचंद, प्रकाश नरवाल सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

होटल नूर महल में इंस्टालेशन सेरेमनी का आयोजन

करनाल। लायंस क्लब करनाल द्वारा होटल नूर महल में इंस्टालेशन सेरेमनी का आयोजन किया गया। इस मौके पर पिछले लगभग डेढ़ वर्ष में कोरोना महामारी के दौरान उत्कृष्ट प्रबंधन के लिए करनाल के उपायुक्त निशांत कुमार यादव और पुलिस अधीक्षक गंगा राम पुनिया को सम्मानित किया गया।

बता दें कि उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने करनाल में कोरोना महामारी के दौरान बेड, ऑक्सीजन , चिकित्सक , दवाइयों आदि की उपलब्धता के साथ-साथ अस्पतालों की अन्य जरूरतों का भी विशेष ध्यान रखा। यही नहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भी सुविधाओं का विस्तार किया गया। कोरोना वैक्सीन के प्रबंधन में भी अहम भूमिका निभाई और करनाल को महामारी से लडने में सक्षम बनाया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि संजय बठला को भी प्रशासन के साथ बेहतर तालमेल करने और आमजन के सहयोग के लिए सम्मानित किया गया।

बरसाती मौसम में मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों का खतरा ज्यादा

नागरिक मच्छरनाशक दवाई का करवाएं छिडकाव, अपने घरों के आसपास रखें साफ-सफाई - डीसी

करनाल । बरसात के मौसम में डेंगू व मलेरिया जैसी बीमारियां फैलने का खतरा बना रहता है। यद्यपि स्वास्थ्य विभाग हरियाणा आमजन के स्वास्थ्य के लिए गंभीर एवं प्रयासरत है, फिर भी नागरिकों को इन बीमारियों से बचने के लिए सचेत एवं जागरूक रहने की आवश्यकता है। इन्हीं दिनों मच्छरों का प्रकोप बढ़ता है और ज्यादातर लोग मलेरिया जैसी बीमारियों का शिकार हो जाते हैं।

इस बारे जानकारी देते हुए उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने नागरिकों से आग्रह करते हुए कहा कि वे स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें।

अपने घरों के आसपास पानी जमा न होने दें, सभी गड्ढों को मिट्टी से भर दें और रुकी हुई नालियों को साफ रखें। यदि आपके घर में या आसपास पानी जमा होने से रोकना संभव नहीं है तो उसमें पेट्रोल या केरोसिन ऑयल डालें। सभी रूम कूलरों, फूलदानों का सारा पानी हफ्ते में एक बार और पक्षियों को दाना-पानी देने के बर्तन को रोज पूरी तरह से खाली करें और उन्हें सुखाए और फिर भरें, घर में टूटे-फूटे डिब्बे, टायर, बर्तन, बोतलें आदि न रखें, अगर रखें तो उसे उल्टा करके रखें। बता दें कि डेंगू के मच्छर साफ पानी में पनपते हैं, इसलिए पानी की टंकी को अच्छी तरह बंद करके रखें। अपने घरों में सप्ताह में एक बार मच्छर नाशक दवाई का छिडकाव अवश्य करें।

उपायुक्त ने बताया कि जिला में ब्रीडिंग चेकर, फील्ड वर्कर द्वारा घर-घर जाकर मलेरिया उन्मूलन संबंधी मच्छर के लारवा की ब्रीडिंग चेक की जा रही है और ब्रीडिंग

निशांत कुमार यादव, डीसी करनाल

पाए जाने पर तुरंत प्रभाव से टीमों द्वारा टेमिफोस की दवाई डलवाकर लारवा को नष्ट किया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे हर रविवार को सभी लोग ड्राइ डे (शुष्क दिवस) के रूप मे मनाएं, जिस दौरान घर के सभी कूलर व टंकियों को अच्छी तरह से कपड़े से रगडकर साफ कर लें, फ्रिज की ट्रे का पानी जो बिजली जाने के बाद फ्रिज की बर्फ के पिघलने से ट्रे में एकत्रित होता है, उसको जरूर साफ करें।

अगर साफ करना संभव न हो तो उसमे 5 से 10 एमएल पेट्रोल या डीजल का तेल डाल सकते हैं। क्योंकि फ्रिज की ट्रे के साफ पानी में डेंगू फैलाने वाले एडीज मच्छर की उत्पत्ति होती है। घर मे प्रयोग किए जा रहे एसी के पानी को एकत्रित न होने दें।

उपायुक्त ने आमजन से अपील की है कि सभी को रात को सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करना चाहिए व दिन के समय पूरी बाजू के कपड़े पहनने चाहिए, जिससे मच्छर के काटने से बचा जा सके। उन्होंने बताया कि मलेरिया के शुरुआती लक्षणों में तेज ठंड के साथ बुखार आना, सर दर्द होना व उल्टियों का आना है। इसलिए कोई भी बुखार आने पर अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में जाकर मलेरिया की जांच करवाएं और अगर मलेरिया जांच में पाया जाता है तो उसका 14 दिन का इलाज स्वास्थ्यकर्मी की देख रेख में करें।

उल्लेखनीय है कि प्रशासन नागरिकों से आग्रह कर रहा है कि आसपास पानी जमा न होने दें गड्ढों को भर दें और नालिया साफ करें यदि आपके घर के आसपास पानी जमा होने से रोकना संभव नहीं तो उसमें केरोसिन आयल डालें लेकिन सवाल ये उठता है कि प्रशासन क्या कर रहा है? प्रशासन सड़कों पर बने गड्ढों को भर नहीं सकता गड्ढों में केरोसिन डाल नहीं सकता, विभाग के सफाई कर्मचारी सफाई नहीं करते नालिया साफ नहीं करते। इस संवाददाता ने देखा है कि महिला सफाई कर्मचारी सड़क पर खानापूर्ति के लिए झाड़ू लगाती हैं और तुरंत भाग जाती हैं। दुकानदारों की दुकानों पर पोंछा लगाने के लिए उनसे अलग से वेतन लेती है। और शिकायत करने पर प्रशासनिक अधिकारी नगर निगम के इंस्पेक्टर सोये रहते हैं, कार्रवाई भी नहीं करते।

जब खड्डों और नालियों में तेल नागरिकों को ही डालना है तो प्रशासन को किसलिए पाल रखा है ?

सरकार की गलत नीतियों के विरोध में 27 को निजीकरण विरोधी दिवस

हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ ने भरी हुंकार

इन्द्री (जेके शर्मा): हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ संबंधित सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा एवं स्कूल टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया भी सर्व कर्मचारी संघ के आह्वान पर 27 सितंबर को निजीकरण विरोधी दिवस मनाने का फैसला मीटिंग में किया गया ।

मीटिंग में खंड प्रधान बलराज चहल व खंड सचिव धर्मवीर लठवाल ने बताया कि शिक्षा विभाग में निदेशक स्तर के कार्यालय पूरी तरह से पंगु हो चुके हैं। इस दिन हरियाणा सरकार द्वारा नई शिक्षा नीति के नाम पर शिक्षा विभाग का निजीकरण करने की कोशिश का विरोध करते हुए बार-बार शेड्यूल जारी होने के बावजूद 2 वर्षों से अध्यापकों के किसी भी वर्ग के ट्रांसफर नहीं हो पा रहे हैं। लगभग 800 नवपदोन्नत प्राचार्य व मुख्य अध्यापकों को जल्द से जल्द रिक्तियों के विरुद्ध स्कूलों में भेजा जाए। 2017 में नियुक्त प्राथमिक शिक्षकों को बार-बार आश्वासन के बावजूद स्थाई जिले आवंटित नहीं किए जा रहे। वर्षों से लंबित विभिन्न वर्गों के पदोन्नति के मामले विभाग द्वारा लटकाए जा रहे हैं। स्कूल खुलने के बावजूद किसी भी कक्षा की किताबें अभी तक स्कूलों में नहीं भेजी गई हैं। स्कूल फंड व बच्चों की छात्रवृत्ति की राशि भी 2 वर्षों से बच्चों को नहीं दी जा रही। इन सब मांगों को लेकर हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ 27 सितंबर को छुट्टी के बाद खंड स्तर पर विरोध प्रदर्शन करते हुए खंड शिक्षा अधिकारियों के माध्यम से ज्ञापन वित्तायुक्त एवं शिक्षा सचिव हरियाणा सरकार व शिक्षा मंत्री के नाम भेजेगा। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि 8 सितंबर को दोनों शिक्षा निदेशक के साथ बैठक में जिन मांगों पर सहमति बनी थी उनके पत्र भी आज तक जारी नहीं किए गए हैं। यदि भविष्य में जल्द ही इन पर कार्यवाही नहीं होती तो 25-26 सितंबर को राज्य स्तरीय बैठक में आगे के आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी और इस रणनीति के लिये खंड स्तर पर भी विरोध प्रदर्शन होंगे। हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ इंद्री खंड संगठन सचिव जयकुमार शास्त्री व कोषाध्यक्ष दयालचंद ने कहा कि आने वाली 27 सितम्बर को सर्व कर्मचारी संघ के आह्वान पर सभी अध्यापक बढ़ चढ़ कर भाग लेंगे और सरकार की गलत और जन विरोधी नीतियों का विरोध करेंगे।

मीटिंग में जिला उपप्रधान शाम लाल शास्त्री पूर्व प्रधान मानसिंह चंदेल, महिन्द्र खेड़ा,विवेक,देवेन्द्र देवा,सुरेश, सतबीर बूरा शामिल रहे।

बदइंतजामों के चलते मण्डियों में किसानों का भीगा धान

इन्द्री (जेके शर्मा)। चल रही बरसात से अनाज मण्डी में बदइंतजामों के चलते किसानों का धान भीग गया। मण्डी में बिक्री के इंतजार में पड़े धान के भीगने से किसानों में भारी आक्रोश पनप गया है। अनाज मण्डी में रोजाना हजारों क्विंटल धान आ रहा है, लेकिन धान की न्यूनतम समर्थन मूल्य से भी 300 रूपए प्रतिक्विंटल कम रेट पर भी खरीददारी नहीं हो रही है। सरकारी खरीद न आने के कारण धान के प्राईवेट खरीददार किसानों की धान को मनमाने रेट पर खरीदने में भी नखरें कर रहे हैं। धान की खरीददारी न होने से निराश किसानों ने सरकार को 25 सितम्बर से सरकारी खरीद न करने पर आंदोलन छेडने की चेतावनी दी है। सरकारी खरीद न होने के बाद भी पीआर धान अनाज मण्डी में काफी मात्रा में बिक्री के लिए आ रही है। सरकर ने पहले 25 सितम्बर से धान की सरकारी खरीद शुरू करने का ऐलान किया और बाद फिर एक अक्तूबर से धान की सरकारी खरीद करने का ऐलान कर दिया। किसानों द्वारा धान की 90 दिनों में पक्क कर तैयार होने वाली पीआर किस्मों की धान को लेकर मण्डियों में पहुंचने का सिलसिला कई दिनों से जारी है। जिस कारण मण्डियों में धान की आवक की मात्रा काफी हो रही है और उपर से मौसम खराब होने से किसानों में तैयारी फसल को मण्डी में पहुंचाने की जल्दबाजी बढ़ा रखी है।

सरकारी खरीद न होने के कारण पीआर समेत दूसरी किस्म की धान को प्राईवेट खरीददार खरीद कर रहे हैं। यह खरीददार किसानों की धान में नमी व टूटन आदि की मात्रा अधिक बताकर उसे औने-पौने दामों में खरीद रहे हैं। इतना ही नहीं सरकारी रेट से 250 से 300 रूपए प्रतिक्विंटल कम रेट करने के बाद भी प्राईवेट खरीददार किसानों की धान खरीदने से मना कर देते है। सरकार ने धान का सरकारी रेट 1960 रूपए क्विंटल घोषित कर रखा है, परन्तु मण्डियों में किसानों का पीआर किस्म का धान 1600 से 1700 रूपए प्रति क्विंटल खरीद कर किसानों पर आर्थिक मार डाली जा रही है। तंग आकर किसान मण्डी में पड़ी धान को कम रेट पर ही बेचने के लिए विवश हो जाता है। किसान कम रेट पर धान की खरीद होने को लुटाई मान रहे हैं। अब बरसात ने किसानों की परेशानी बढ़ा दी है। मण्डी में पड़ी धान बरसात की भेंट चढ़ गई है।